

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 31 , 011 अक्टूबर से 17 अक्टूबर , 2026

मूल्य - 10 रुपये । पृष्ठ 8

WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग सिटी



युद्ध का स्वरूप बदला, भारत सतर्क : राजनाथ

जमीन, समुद्र, हवा के साथ अंतरिक्ष, साइबर और सूचना भी बने जंग के मैदान

एजेंसी। जोधपुर

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत अपने क्षेत्र और उससे बाहर हो रहे घटनाक्रमों पर लगातार नजर रख रहा है और उनके रणनीतिक प्रभावों का आकलन कर रहा है क्योंकि दुनिया आधुनिक युद्ध एवं वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था में बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है। सिंह ने जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर आयोजित अभ्यास तरंग शक्ति 2026 के तहत हवाई प्रदर्शन देखने के बाद अपने संबोधन में कहा, भारत अपने क्षेत्र और उससे बाहर हो रहे घटनाक्रमों पर लगातार नजर रख रहा है तथा उनके रणनीतिक प्रभावों

झीन और बिना पायलट प्रणालियों ने बदला युद्ध का स्वरूप, अहम होगी फैसले लेने की रफ्तार

का भी आकलन कर रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि स्थापित वैश्विक व्यवस्था तेजी से बदल रही है और बाणिया की व्यवस्था कैसी होगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर भारतीय सशस्त्र बलों की संरचना, संसाधनों और रणनीति में बुनियादी बदलाव किए जा रहे हैं। सिंह ने कहा, आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का मतलब दुनिया से अलग-थलग रहना नहीं है। इसका अर्थ महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास के साथ-साथ उनके निर्माण, रखरखाव और उन्नयन की घरेलू क्षमता विकसित करना है। रक्षा मंत्री ने कहा कि तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों और टकराव के नए क्षेत्रों के उभरने से आधुनिक युद्ध कौशल लगातार जटिल होती जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार से इतर तत्वों की बढ़ती भूमिका, अहम व्यापारिक मार्गों और समुद्री रास्तों के लिए खतरे व नई तकनीकों के इस्तेमाल ने वैश्विक सुरक्षा माहौल में अनिश्चितता बढ़ी है। उन्होंने कहा, नई तकनीकी बदलावों, हथियारों के इस्तेमाल के दायरे के विस्तार और नई चीजों के जुड़ने से आधुनिक युद्ध कौशल और भी जटिल होती जा रही है।



आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता पर भारत का फोकस

रक्षा मंत्री ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में प्रत्येक देश के लिए सतर्क रहना जरूरी है। प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय नीति के रूप में अपनाया है। लंबे समय तक चलने वाले युद्धों की चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वदेशी हथियारों और महत्वपूर्ण तकनीकों के उत्पादन की क्षमता विकसित करना आवश्यक है। स्वतंत्रता के समय सीमित संसाधनों के साथ शुरुआत

करने वाली भारतीय वायुसेना आज आधुनिक विमानों, सटीक मारक हथियारों, अत्याधुनिक सेंसर और एकूत नेटवर्क से लैस सक्षम सैन्य बल बन चुकी है।

रक्षा मंत्री ने तरंग शक्ति में हवाई प्रदर्शन देखा

जोधपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास तरंग शक्ति 2026 के तहत भारतीय वायुसेना के हवाई प्रदर्शन को देखा। सिंह ने वायुसेना प्रमुख और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों

सूर्य किरण के साथ लड़ाकू विमानों को अलग-अलग 'फार्मेशन' में उड़ान भरते और हवाई करतब दिखाते देखा। प्रदर्शन के दौरान भारतीय वायुसेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम और सूर्य किरण हवाई करतब टीम ने भी अपने कौशल का प्रदर्शन किया। यह अभ्यास 26 सितंबर से शुरू हुआ था जो कि 12 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा जिसमें ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, संयुक्त अरब

अमीरात, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका और बांग्लादेश की वायु सेनाएं हिस्सा ले रही हैं। अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त प्रशिक्षण, अभियानगत अनुभवों के आदान-प्रदान और एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को समझने के माध्यम से भाग लेने वाली वायु सेनाओं के बीच तालमेल बेहतर बनाना है। कई अन्य देशों ने भी इस अभ्यास में पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया।

मित्र देशों के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने पर जोर

राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान, सह-विकास, सह-उत्पादन, रखरखाव, प्रशिक्षण और तकनीकी नवाचार के क्षेत्रों में मित्र देशों के साथ सहयोग की

अब व्यापक संभावनाओं का उल्लेख किया। बाणिया में रक्षा संबंध केवल हथियारों और सैन्य प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि तकनीक और आपसी विश्वास उन्की सबसे बड़ी ताकत होगे। भारत अपनी स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ विश्वसनीय

साझेदार देशों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए भी तैयार है। बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास विभिन्न देशों की वायुसेनाओं को अपनी तकनीकों, रणनीतियों और परिचालन अनुभवों को साझा करने का अवसर देते हैं।

सीएम हेमंत बिस्वा ने की

मंदिर में पूजा-अर्चना

हरिद्वार

असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने हरिद्वार के प्रसिद्ध नारायणी शिला मंदिर में पूजा अर्चना कर अपने परिवार और प्रदेश की सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों से वो नारायणी शिला मंदिर में पूजा अर्चना करने आ रहे हैं। यहां आकर उन्हें असीम शांति की अनुभूति होती है, आज भी उन्होंने मंदिर में विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की। मीडिया से बातचीत के दौरान हेमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और उनके राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पास जाने के सवाल पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति देश के राष्ट्रपति हैं, उनसे मिलने कोई भी जा सकता है।

इसी तरह सुप्रीम कोर्ट में भी हर दिन हजारों लोग जाते हैं। जब राहुल गांधी चंद्रयान और मंगलयान में जाएंगे तब उनसे पूछना कि राहुल गांधी ने कोई चमत्कार किया है। हेमंत बिस्वा सरमा ने कॉंग्रेस जनता पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि जो लोग अपने आप को कॉंग्रेस बोलते हैं, उनके बारे में बात नहीं करनी चाहिए। आज तो अपने आप को युवा शक्ति बोलने वालों की बात करनी चाहिए और अपने आप को कॉंग्रेस बोलने वालों की बात करने से कोई फायदा नहीं है। वहीं दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर आज चल रहे आंदोलन के सवाल पर मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि जनता पीपुल मोदी के साथ है।

सीएम योगी ने अखिलेश यादव को दी खुली चुनौती

चेले को हटाइए, आइए अयोध्या

से आजमाएं किस्मत : योगी

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां पाटेश्वरी की घरा बलरामपुर के विकास के लिए 803 करोड़ रुपये से अधिक की 78 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अयोध्या विधानसभा सीट के लिए सपा मुखिया अखिलेश यादव को खुली चुनौती दी, कहा- चेले को हटाइए। आइए, हम और आप दोनों किस्मत आजमाने दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के बबुआ बौखला गए हैं।

वह मुझसे कहते हैं कि मुख्यमंत्री जी अयोध्या से चुनाव लड़कर दिखा दें। अखिलेश जी, अयोध्या हमारा पावन धाम और आस्था की स्थली है। मैं वहां इसलिए बार-बार जाता हूं, जिससे विकास में कोई कोताही न हो। जिस अयोध्या को सपा तीन से चार घंटे बिजली देती थी, जहां जय श्रीराम बोलने पर आपको सरकार ने प्रतिबंध लगाया था, वह अयोध्या फिर से राम राज्य का नया उदाहरण बनकर त्रेता युग का स्मरण करा रही है।



सीएम ने विधायकों की सराहना की

सीएम ने कहा कि अपने जनप्रतिनिधियों से खुद मेहनत कराइए, हम बलरामपुर के विकास में कभी कभी नहीं आने देंगे। सीएम ने परिश्रम के लिए विधायकों की सराहना की। यहां आकर लगता है कि घर आया हूं। मां पाटेश्वरी धाम ने सप्त-विषम परिस्थितियों में इस सीमावर्ती क्षेत्र को देश व धर्म के साथ जुड़ने और हर चुनौती का सामना करने की सामर्थ्य दी। कभी एक वोट एूपी के सामने पहचान का संकेत खड़ा करता था।

अब वोट बलरामपुर की तरफकी का कारण

आकाशवाणी भवन के

पास पुलिस पर पथराव

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कॉंग्रेस जनता पार्टी (कांजपा) के प्रदर्शन के दौरान शनिवार को

प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों को लांघने के बाद आकाशवाणी भवन के निकट इम्टियाज अली मार्ग पर सुरक्षाकर्मियों पर कथित तौर पर पथराव किया, जिसमें दो पुलिसकर्मों घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दो अधिकारियों ने बताया कि दोपहर 25 से 30 प्रदर्शनकारियों ने इम्टियाज अली मार्ग पर लगे अवरोधकों को पार कर सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है और कार्रवाई के दौरान दो पुलिसकर्मों घायल हुए हैं। प्रशासन द्वारा प्रदर्शन की अनुमति न दिए जाने और पूरे नई दिल्ली जिले में कड़े सुरक्षा इंतजाम के बावजूद जंतर-मंतर

पहुंचने की कोशिश कर रहे लगभग 500 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। सुरक्षा घेरे को तोड़ने और हर चुनौती का सामना करने के एकजुट होने का प्रयास कर रहे कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने खदेड़ दिया और हिरासत में ले लिया।



प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा

जंतर-मंतर कूच से पहले धरपकड़

काँजपा के करीब 3000 प्रदर्शनकारी हिरासत में, छावनी बनी राजधानी

एजेंसी। नई दिल्ली

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कॉंग्रेस जनता पार्टी (कांजपा) के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जंतर-मंतर पहुंचने की कोशिश कर रहे लगभग 3000 प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पुलिस ने शनिवार को हिरासत में ले लिया। सुत्रों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को नयी दिल्ली इलाके और अन्य जिलों से हिरासत में लिया गया। पुलिस प्रदर्शन स्थल तक पहुंचने की कोशिश कर रहे लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है। प्रदर्शनकारियों को रीराल सिनेमा के पास, मिंटो ब्रिज और आकाशवाणी भवन के पास सहित कई स्थानों से हिरासत में लिया गया। पुलिस सुत्रों ने बताया कि जंतर मंतर पर कांजपा के प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले एहतियाती उपायों के तहत राष्ट्रीय राजधानी के सभी जिलों से आपराधिक रिकॉर्ड वाले 600 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया। सुत्रों ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग प्रस्तावित प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति न पैदा करें। सुत्रों के अनुसार, पुलिस कुछ ऐसे लोगों की गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रख रही है, जो प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने के लिए लोगों को जुटा सकते हैं या उन्हें इसमें शामिल होने के लिए प्रभावित कर सकते हैं।

रीगल, मिंटो ब्रिज और आकाशवाणी भवन समेत कई जगहों से पकड़े गए प्रदर्शनकारी



केजरीवाल, ममता समेत कई नेता हिरासत में

नई दिल्ली। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज और दुर्गाश पाठक के साथ पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वहीं, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दिल्ली पुलिस और सीआरपीएफ ने हिरासत में लिया है। वह मुंह पर बैंड-रेड लगाकर विरोध-प्रदर्शन कर रही थीं। ममता बनर्जी ने विरोध के तौर पर अपने मुंह पर बैंड-रेड चिपका दिया था। यह उनकी आज्ञा दबाए जाने के खिलाफ सांकेतिक विरोध था। इस विरोध-प्रदर्शन के दौरान उनके बस में मौजूद होने के विजुअल भी सामने आए हैं। बस के अंदर ही उन्होंने महिषासुर मर्दिनी का पाठ किया। वहीं, पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ में निर्वाचन आयोग के कार्यालय के बाहर मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और वोट चोरी के आरोपों को लेकर प्रदर्शन कर रहे आप के वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष रिसोदिया को भी पुलिस ने हिरासत में लिया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान पर बोला तीखा हमला

परमाणु धमकी के आगे कभी नहीं झुकेगा भारत

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि परमाणु हथियारों को शासन चलाने का सामान्य साधन नहीं माना जाना चाहिए। भारत ने कहा कि वह किसी भी परमाणु धमकी या दबाव के आगे नहीं झुकेगा। निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विचार करने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की प्रथम समिति की बैठक में शुक्रवार को भारत ने अपने जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल किया। निरस्त्रीकरण सम्मेलन के लिए अनेकाल स्थित भारत के स्थायी मिशन

में वरिष्ठ सलाहकार (निरस्त्रीकरण) अनमोल शेर सिंह बेदी ने पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने के बाद भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है।

उन्होंने कहा, हम भारत के अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों को खाली करने और उन्हें वापस सौंपने का आान करते हैं। बेदी ने साथ ही कहा



पाक के झूठ और भ्रामक दावों की पोल खोली

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस्लामाबाद भारत के

आतंकवाद को बढ़ावा देने का पुराना इतिहास केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के बारे में झूठ और भ्रामक दावे फैलाकर विश्व संगठन के मंच का लगातार दुरुपयोग कर रहा है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की चौथी समिति में पाकिस्तान की ओर से दिए गए बयान के जवाब में अपने उत्तर देने के अधिकार का इस्तेमाल किया। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने कहा, यह

दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान भारत के केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के बारे में झूठ और भ्रामक दावे फैलाकर इस गरिमामय मंच का लगातार दुरुपयोग कर रहा है।

हासिल नहीं की गई। उन्होंने कहा, हमने तनाव बढ़ने को लेकर जताई गई चिंताओं को सुना है और ये चिंताएं जायज हैं। हालांकि, किसी देश की मंशा का सही आकलन उसके समय के साथ किए गए आचरण से ही किया जा सकता है। परमाणु हथियारों को शासन-संचालन का सामान्य साधन नहीं माना जाना चाहिए। पाकिस्तान की रणनीति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के अनुभव के मुताबिक इस क्षेत्र में हर संकट का एक जैसा ही तरीका रहा है- पहले उकसाना, फिर

पल्ला झाड़ना, और जब भारत करारा जवाब दे दे, तो संयम बरतने की दुहाई देना। भारत ने रेखांकित किया कि उसने तीन स्पष्टरेखाएं तय की हैं, जिनका उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बेदी ने कहा, पहली, भारत के खिलाफ किसी भी आतंकवादी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। दूसरी, भारत परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेगा। तीसरी, भारत आतंकवाद को प्रायोजित करने वालों और उसके मुख्य षड्यंत्रकारियों के बीच कोई अंतर नहीं करेगा।

आज चेन्नई के दौरे पर

जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को चेन्नई का दौरा करेंगे और 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री चेन्नई मेट्रो में पोरुर बाईपास स्टेशन से पुनामल्ली बाईपास स्टेशन के बीच सफर करेंगे। वह जिनकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना भी करेंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वह शहर में स्थित जययोगपाल गरोडिया हिंदू विद्यालय मैट्रिकुलेशन हायर

सेकेंडरी स्कूल के स्वर्ण जयंती समारोह में भी शामिल होंगे। मोदी के कार्यक्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के ब्रेन सेंटर का दौरा भी शामिल है। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री 13,000 करोड़ रुपये से अधिक का विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे और लोगों को संबोधित करेंगे। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा, उनमें 4,900 करोड़ रुपये की लागत से बना चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण का पूनामल्ली-वडापलानी खंड शामिल है।

बच्चों की पहचान न बने सुखी, नाम न हों उजागर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के प्रधान न्यायाधीश सुर्वकांत ने शनिवार को कहा कि कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों के नाम समाचारों एवं इंटरनेट पर सार्वजनिक नहीं किए जाने चाहिए, क्योंकि यह वाक्यांश उसकी परिस्थिति को दर्शाता है, न कि उसकी पहचान को। प्रधान न्यायाधीश ने उच्चतम न्यायालय की किशोर न्याय समिति द्वारा युनिसेफ के सहयोग से आयोजित किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के 10 वर्ष प्रगति, चुनौतियां और अगले दशक की प्राथमिकताएं

विषय पर राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद कहा कि किसी कानून के लिए 10 वर्ष का समय कम होता है लेकिन यह किसी बच्चे के बचपन के आघे से भी अधिक समय के बराबर है। उन्होंने कहा कि किसी बच्चे पर अपराधी का ठप्पा लगाने के बजाय उसे दूसरा मौका दिया जाए।

कानून तोड़े बच्चे को कानून न तोड़े

सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश बी. वी. नागरा ने शनिवार को किशोर न्याय अधिनियम के 10 वर्ष पर आयोजित राष्ट्रीय परामर्श कार्यक्रम में कहा कि यह परामर्श कानून की समीक्षा का अवसर है। उन्होंने यह समझने की जरूरत बताई कि बीते 10 वर्ष में इसका क्या बच्चों के जीवन पर क्या असर पड़ा, जिनके लिए इसे बनाया गया था। न्यायमूर्ति नागरा ने कहा कि जब कोई बच्चा कानून तोड़ता है, तो कानून को उसे नहीं तोड़ना चाहिए।

सम्पादकीय

दिल्ली में विरोध प्रदर्शन पर सख्ती क्यों?



किसी समस्या के व्यापक असर और संदर्भ के मद्देनजर आम जनता को सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन करने की जरूरत पड़ती है, तो यही अपने आप में सरकार की रीति-नीति पर एक सवालिया निशान है कि वह संवाद के



शुशील कुमार सिंह प्रधान साप्ताहिक

नियोजित करने के मकसद से शनिवार को दिल्ली में मेट्रो के सत्तावन स्टेशनों में प्रवेश और निकास द्वार को पूरी तरह बंद करने का आदेश दिया गया है। साथ ही नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर आने वाली कई गाड़ियों को भी रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा, राजधानी की सड़कों पर भी जगह-जगह अवरोधक लगाने और भारी संख्या में पुलिस तथा सुरक्षा बलों की तैनाती की खबरें भी आईं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि इतने व्यापक सुरक्षा इंतजामों के बाद दिल्ली का जनजीवन किस स्तर तक प्रभावित होगा। यही वजह है कि इस मसले पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई और कहा कि सब कुछ बंद नहीं कर सकते और नागरिकों को होने वाली परेशानी को ध्यान में रखते हुए सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। अखिल तो किसी शान्तिपूर्ण और लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन को बाधित करने के बजाय लोगों को अपनी राय अभिव्यक्त करने का अवसर देना चाहिए। अगर सरकार को ऐसा लगता भी है कि प्रदर्शन की वजह से कोई अग्रिय स्थिति पैदा हो सकती है, तो बहुसंख्यीय सख्ती की जगह उसे संवाद का रास्ता अपनाया चाहिए और समाधान की गुंजाइश निकालनी चाहिए। लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि उसमें जनता को सरकार की किसी कमी को शिकायत करने का अधिकार है और सत्ता इसका दमन नहीं करती है। विडंबना यह है कि काजपा के प्रदर्शन के आह्वान के बाद जिस तरह खासी संख्या में मेट्रो स्टेशनों को बंद करने, कई ट्रेनों को रद्द करने जैसे निर्देश जारी किए गए, उससे वास्तव में लोकतंत्र का जीवन ही बाधित होगा। हैरानी की बात यह है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मसले पर उठे सवालों और विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शनों के बावजूद अब तक चुनाव आयोग की ओर से कोई संतोषजनक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं एसआइआर के खिलाफ शिकायतों का ठोस जवाब देने के बजाय सरकार प्रकारांतर से जनता के साथ आमने-सामने की मुद्रा में खड़ी दिख रही है।

ढाई दशक के सख्त फैसलों ने बनाया मोदी को मोदी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ढाई दशक की अनवरत राजनीतिक नेतृत्व यात्रा के दौरान लिए गए एक से एक चौंकाने वाले फैसलों ने मोदी को मोदी बनाया है। आज मोदी विश्व के सर्वाधिक भरोसेमंद नेताओं में से एक है। सामने वाले को भी यह भय सताये रहता है कि पता नहीं मोदी क्या स्टैंड लेकर क्या का क्या कर डालेंगे। यही कारण है कि चाहे डोनाल्ड ट्रम्प हो, पुतिन हो या फिर शी जिनपिंग हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हलके में नहीं ले पाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की 100 प्रतिशत टैरिफ की धमकी के आगे भारत नहीं झुका है तो रूस से कच्चे तेल का आयात जारी है। मालदीव का उदाहरण सामने है जब नरेन्द्र मोदी ने भारत के द्वीप पर केवल कुर्सी लगाकर बैठकर ही मालदीव का हिला कर रख दिया। देश में भी गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में करीब 13 साल और देश के प्रधानमंत्री के रूप में 12 साल से कुछ अधिक के समय में लिए गए निर्णयों से समूचे विपक्ष को धीरे से पर जोर का झटका देते रहे हैं। हो यह रहा है कि नरेन्द्र मोदी पर जो भी चार किया जाता है वही चार नरेन्द्र मोदी की ताकत बन जाता है। चाहे शुरूआत गुजरात मुख्यमंत्री रहते गोदारा कांड की हो या फिर चौकीदार चोर से लेकर वोट चोरी तक की हो, प्रतिपक्ष का हर चार ना केवल खाली गया है अपितु प्रतिपक्ष के लिए सेंसरफ गोल बन चुकी ही रह गया है। देश आज आंतरिक और बाहरी दोनों ही क्षेत्रों में सर्वोपरि होकर उभरा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात मुख्यमंत्री काल में ही अपने दूरगामी निर्णयों से विशिष्ट पहचान बना ली थी। चाहे वह गोदारा कांड हो या फिर गुजरात भूकंप और उसके बाद विनाशकारी भूकंप प्रभावित क्षेत्र में पुनर्निर्माण के कार्य, नर्मदा के अतिरिक्त पानी को पाइपलाइन के माध्यम से उत्तरी गुजरात और सौराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था, स्वच्छ भारत का सपना भी गुजरात के रास्ते ही आया है तो कृषि और घरेलू जरूरत की बिजली की व्यवस्था को अलग अलग कर 24 घंटे बिजली उपलब्ध करना अपने आप में बड़ी बात है। वाईब्रेंट गुजरात को देशी विदेशी निवेश को सिंगल विण्डो सिस्टम के माध्यम से साकार करना किसी दूरगामी



सोच का ही परिणाम है। आज देश के अनेक राज्यों में निवेश सम्मेलन होने लगे हैं और ईज ऑफ़ इड्यू के बावजूद गुजरात समिट को मॉडल समिट माना ही जाता है। आज का मेक इन इंडिया इसी का विस्तार है।

जहां तक प्रधानमंत्री बनने के बाद के निर्णयों का सवाल है तो कूटनीति और विदेश नीति के मोर्चे पर आज भारत की तूती बोलती है। सर्जिकल स्ट्राइक, बालाघाट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिन्दूर ने समूची दुनिया के सामने भारत के रण कौशल की धाक जमा दी और इसका परिणाम यह रहा कि पाकिस्तान के पक्ष में आवाज उठाने की हिम्मत लगभग अलग देशों में नहीं ही रही। कहने को तुर्किया पाकिस्तान के पक्ष में गाहे-बेगाहे बोलता रहता है पर उसका असर नागण्य ही है। ब्रिक्स के माध्यम से आज भारत दुनिया के देशों का नेतृत्व कर रहा है तो अमेरिकी डॉलर को चुनौती देने की शुरूआत भारत के नेतृत्व में दुनिया के देश करने लगे हैं। दर सबेर यह हालात होंगे ही। समान नागरिकता कानून और कम्प्री में धारा 370 हटाकर कश्मीर को देश की मुख्य धारा से जोड़ना लगभग असंभव काम हो सका है। आर्थिक क्षेत्र में आज भारत दुनिया की प्रमुख ताकत बनकर उभरा है। एक राउट एक कर जीएसटी विपक्ष के लाख विरोध के बावजूद आज इकोनोमी का प्रमुख हिस्सा बन चुकी है। नोटबंदी का लाख विरोध हुआ और जनधन, आधार और मोबाइल यानी की जाम का असर साफ दिखाई दे रहा है। आज मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में भारत अग्रणी देश हो गया है। मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल ने हमारे दिखाया है तो सुधार प्रयासों का ही परिणाम है अगर देश से आज सामरिक महत्व के उत्पादों का निर्यात होने लगा है।

याद है, मुझसे ज्यादा चतुर कोई नहीं। कोई कैसा, ऐसा या वैसा सवाल आपना तो हल कर लूंगा।

कई बार ऐसा हो जाता है कि परीक्षा की घड़ी बिना बताए मुख्य दरवाजे पर आन खड़ी होती है। सुना है, तब याद किया सब कुछ भूल जाता है। कई सवाल सामने बैठ जाते हैं, एक दो सवाल को तो खड़े रहना पड़ता है इसलिए वे नाराज भी हो जाते हैं। जब जवाब सुझता नहीं तो बंदा सोचता है कि मुझे

जवाब देने की तैयारी निरंतर रखनी चाहिए थी। अग्यास करते रहना चाहिए था। दूसरे अनुभवी लोगों से पूछ लेना चाहिए था। परीक्षा में तो कुछ भी प्रत्याशित था अप्रत्याशित पूछ जा सकता है इसलिए यह पता होना चाहिए कि अगर सवाल का रंग लाल या नीला हो तो जवाब कौन से रंग का देना है।

कई सवाल ऐसे होते हैं कि पोल खोल दें जिससे तबीयत अप्रिल्ल खराब हो जाती है। अस्पताल का सहारा लेना पड़ता है। सवाल

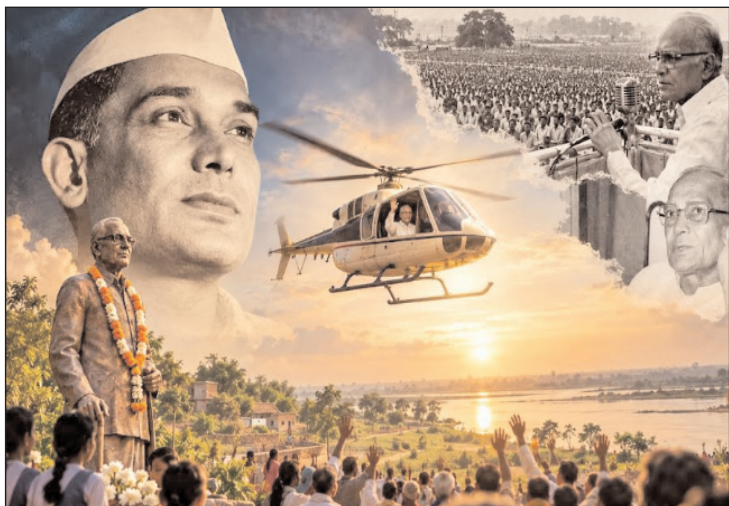


साथकृता तब है, जब नागरिकों को न्याय मिले, शासन पारदर्शी हो, सत्ता जनहित के प्रति उत्तरदायी रहे और आम आदमी की आवाज का सम्मान किया जाए। वे राजनीति की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की सीढ़ी नहीं, बल्कि लोककल्याण का माध्यम मानते थे। यही कारण है कि उनके नेतृत्व में सत्ता परिवर्तन का आंदोलन भी केवल सरकार बदलने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने राजनीतिक व्यवस्था की नैतिकता पर व्यापक बहस को जन्म दिया। सन् 1974 में बिहार से आरंभ हुआ उनका संपूर्ण क्रांति आंदोलन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का निर्णायक शासन के विरुद्ध संघर्ष किया, जेल की यातनाएं सहीँ और हजारीबाग जेल से साहसिक पलायन कर क्रांतिकारी युवाओं के लिए प्रेरणा बने।

स्वतंत्रता के बाद उनके सामने सत्ता और पद प्राप्त करने के अनेक अवसर थे, लेकिन उन्होंने सत्ता की राजनीति के बजाय समाज परिवर्तन का मार्ग चुना। समाजवादी विचारधारा से जुड़े रहने के बाद वे विनोबा भावे के भूदान आंदोलन से जुड़े और ग्राम स्वराज, सामाजिक समानता तथा नैतिक पुनर्जागरण के पक्षधर बने। उनका विश्वास था कि केवल सरकार बदलने से समाज की समस्याएं समाप्त नहीं होंगी, बल्कि इसके लिए व्यक्ति, समाज और व्यवस्था के चरित्र में परिवर्तन आवश्यक है। जयप्रकाश नारायण के व्यक्तित्व का सबसे उज्ज्वल पक्ष उनकी सत्ता-निरपेक्षता थी। वे सत्ता पर अधिकार करने के बजाय सत्ता को जनता के प्रति जवाबदेह बनाना चाहते थे। उनका राजनीतिक दर्शन इस विचार पर आधारित था कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव कराना और बहुमत के आधार पर सरकार बना लेना नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक



पुनर्निर्माण से जोड़ते थे। उनकी संपूर्ण क्रांति के सात आयाम थे-राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, शैक्षणिक और आध्यात्मिक। इनका उद्देश्य केवल शासन की संरचना बदलना नहीं, बल्कि मनुष्य की सोच, व्यवहार और जीवनमूल्यों में परिवर्तन लाना था। वे जानते थे कि भ्रष्टाचार केवल सरकारी कार्यालयों में नहीं पनपता, उसकी जड़ें व्यक्ति की लालचपूर्ण मानसिकता में भी होती हैं। सामाजिक असमानता केवल कानून बनाने से समाप्त नहीं होती, उसके लिए समाज की चेतना में समानता और संवेदनशीलता का विकास भी जरूरी है। इसी तरह शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि विवेकशील, जिम्मेदार और चरित्रवान नागरिक तैयार करना भी है। इस दृष्टि से संपूर्ण क्रांति आज भी एक प्रासंगिक विचार है। इसका पहला संदेश है कि व्यवस्था परिवर्तन की शुरूआत व्यक्ति के आत्मपरिवर्तन से होनी चाहिए। जब तक विपक्ष दोनों की भूमिका रचनात्मक होनी चाहिए। सत्ता का दायित्व विकास, सुशासन और जनकल्याण सुनिश्चित करना है, जबकि विपक्ष का कर्तव्य सरकार की गलतियों को उजागर करने के साथ-साथ बेहतर नीतियों और विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना भी है। केवल विरोध करना विपक्ष की सक्रियता का प्रमाण नहीं हो सकता। उसे यह बताना होगा कि वह देश की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और सामाजिक समरसता के लिए कौन-सी वैकल्पिक



रूपरेखा प्रस्तुत करता है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह अपनी भूमिका को केवल सत्ता प्राप्त करने की आकांक्षा तक सीमित न रखे। यदि विपक्ष का समूचा विमर्श आरोपों, व्यक्तिगत आक्षेपों और राजनीतिक विरोध तक सिमट जाता है, तो वह जनता के विश्वास को मजबूत करने के बजाय कमजोर करता है। लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन की संभावना जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक है कि जनता के सामने विश्वसनीय विकल्प भी मौजूद हों। जयप्रकाश नारायण ने तत्कालीन सत्ता को चुनौती इसलिए दी थी कि उन्हें रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि विवेकशील, जिम्मेदार और चरित्रवान नागरिक तैयार करना भी है। इस दृष्टि से संपूर्ण क्रांति आज भी एक प्रासंगिक विचार है। इसका पहला संदेश है कि व्यवस्था परिवर्तन की शुरूआत व्यक्ति के आत्मपरिवर्तन से होनी चाहिए। जब तक विपक्ष दोनों की भूमिका रचनात्मक होनी चाहिए। सत्ता का दायित्व विकास, सुशासन और जनकल्याण सुनिश्चित करना है, जबकि विपक्ष का कर्तव्य सरकार की गलतियों को उजागर करने के साथ-साथ बेहतर नीतियों और विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना भी है। केवल विरोध करना विपक्ष की सक्रियता का प्रमाण नहीं हो सकता। उसे यह बताना होगा कि वह देश की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और सामाजिक समरसता के लिए कौन-सी वैकल्पिक

क्रांति की भावना को व्यवहार में उतारना होगा। जयप्रकाश नारायण के आदर्शों से मेरा पारिवारिक संबंध भी रहा है। मैंने उन्हें प्रत्यक्ष रूप से नहीं देखा, लेकिन मेरे पिता स्व. श्री रामस्वरूपजी गर्ग उनके अनन्य भक्त थे और राजस्थान में जेपी आंदोलन के प्रमुख कार्यकर्ताओं में अग्रणी स्थान रखते थे। माताजी सत्यभामाजी गर्ग राजस्थान की यात्रा के दौरान उनकी खाने-पीने आदि की व्यवस्थाओं को देखती थीं। उनके जीवन और विचारों में जयप्रकाश नारायण के प्रति समर्पण तथा उनके आदर्शों की गहरी छाप थी। इस परिवारिक परिवेश ने मुझे यह समझने की प्रेरणा दी कि किसी महान व्यक्तित्व के प्रति सच्ची श्रद्धा उसके विचारों को जीवन में अपनाने से ही प्रकट होती है। मेरे आध्यात्मिक गुरु आचार्य श्री तुलसी की चर्चित पुस्तक द्वाअनिपरीक्षाह्न को लेकर जब देश में विरोध का वातावरण बना, तब जयप्रकाश नारायण ने संवाद और सद्भाव की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके हस्तक्षेप और आह्वान से तनाव कम करने तथा शांति स्थापित करने में सहायता मिली। यह प्रसंग उनके व्यक्तित्व के उस पक्ष को सामने लाता है, जिसमें वैचारिक मतभेदों के बीच भी संवाद, संश्लिष्टता और सामाजिक सौहार्द को सर्वोच्च महत्त्व दिया जाता था। जयप्रकाश नारायण की जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम संपूर्ण क्रांति के इतिहास के एक आंदोलन के बगल वर्तमान भारत के पुनर्निर्माण का संकल्प बनाएं। आज देश को ऐसी राजनीतिक संस्कृति की आवश्यकता है, जिसमें सत्ता के प्रति जवाबदेही हो, विपक्ष के पास स्पष्ट वैकल्पिक दृष्टि हो, युवाओं में रचनात्मक ऊर्जा हो और सर्वजनिक जीवन में नैतिकता का सम्मान हो।

लघुकथा

मेरे हिस्से का घर-परिवार

देख संगीता, मैं बाजार से यह सलेक्स ले आई हूँ। तुम कल कह रही थी न कि तुम्हारी पीली वाली सलेक्स खराब हो गई है? इसलिए यह ले आई। संगीता के चेहरे पर जरा भी खुशी नहीं आई। उसने पूछा, कितने की है यह सलेक्स? सासू माँ बोलीं, छः सौ पचास रुपये की। संगीता खीझकर बोली, इतनी महंगी सलेक्स लाने की क्या जरूरत थी? मुझे नहीं चाहिए। कल वापस कर दिए। सासू माँ का चेहरा उतर गया। ठीक है, वे धीमे स्वर में बोलीं और उदास मन से अपने कमरे में चली गईं। अभय यह सब देख रहा था। माँ के जाते ही बोला, तुमने ठीक नहीं किया। सलेक्स रख लेती तो क्या हो जाता। अगर दुकान ने कल वापस न ली तो मैं फिर बाजार जाएँगी, परेशान होगी। संगीता मुस्कुराई, आप देखते जाइए.. वे कल बाजार नहीं जाएँगी। अभय कुछ समझा पता, इससे पहले ही सासू माँ वापस कमरे में आईं। हाथ में वही सलेक्स थी। बोलीं, बहू, कपड़ा बहुत अच्छा है, तुम इसे रख ही लो। संगीता ने कहा, ठीक है, रख लेती हूँ.. लेकिन आगे से मत लाइएगा। इतना सुनते ही सासू माँ बच्चों की तरफ खिल कर दिं, फिर बोलीं, इस रिश्तेम को देखो, मेरी एक नहीं सुनती। कल झाड़ू लगाते हुए कोनों में कूड़ा छोड़ दिया था। तुम इसे समझा देना—मेरी बात माने, वरना काम से निकाल दूँगी।

इतना कहकर वे रिश्तेमिन् को आवाज देती बाहर चली गईं। संगीता रसाई की ओर बढ़ने लगी तो अभय बोला, जब आखिर में सलेक्स रखनी हो तो पहले क्यों नहीं रख लेती? संगीता हँस दी, पहले रख लेती तो कल कुछ और नया ले आतीं। अभय बोला, सच कहूँ, माँ के साथ निभाना आसान नहीं। तभी तो मेरा कोई भाई-बहन उन्हें अपने साथ नहीं रखना चाहता। संगीता ने पलटकर पूछा, पर माँ को साथ नहीं रखेंगे तो बच्चों को दादी का प्यार कौन देगा? और वे रहेंगी कहाँ? अभय ने कहा, फिर तुम दोनों सारा दिन नोकझोंक क्यों करती रहती हो? तुम माँ के हर काम में मीन-मेख निकालती हो। संगीता बोली, देखिए, बच्चे और बुजुर्ग एक जैसे होते हैं। जितनी बात मानो, माँग उतनी बढ़ती जाएँ। कई बार रोक लगानी पड़ती है। ...लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उनके साथ न रहा जाए। यही तो मेरे हिस्से का घर-परिवार है। अभय बोला, माँ हर किसी में कमी निकालती रहती है। रिश्तेमिन् तो उनसे बहुत परेशान है। तुम कह क्यों नहीं देती कि मैं अपने कमरे में बैठूँ, काम तुम संभाल लोगी? संगीता ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, उन्हें कमरे में बैठा दूँ ताकि वे डिप्रेसन में चली जाएँ? वे घर में घूमती रहती हैं, रिश्तेमिन् पर नजर, बच्चों से बातें.. इससे उनका मन भी लगा रहता है और बोलने का कोटा भी पूरा। तभी बाहर से सासू माँ की आवाज आई, आधे घण्टे पर घर पर है तो क्या मुझे और मेरे पोते-पोती को खाना बनाकर भी नहीं दोगी? व्रत रख ले हम? संगीता ने भी उसी अंदाज में कहा, हाँ-हाँ, आ रही हूँ। आप तो पुरा दिन मुझ पर नजर रखा कीजिए! वह उठी, पाँत की ओर देखते हुए मुस्कुराई और दरवाजे की ओर इशारा करके बोलीं—मेरे हिस्से का घर-परिवार!

कहानी

जादूगर मलकान

रुकी एक छोटे से गाँव में रहने वाला एक बहुत ही कुशल खिलौना बनाने वाला था। उसकी कला इतनी प्रसिद्ध थी कि उसके बनाए खिलौने दूर-दूर तक मशहूर हो चुके थे। यहाँ तक कि राजा के महल तक उसके खिलौने पहुँच चुके थे और राजा उसे कई बार पुरस्कार दे चुके थे। एक बार नगर में खिलौनों की एक बड़ी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें रुकी ने गाँववाली पिटारी बनाकर प्रस्तुत की। यह खिलौना इतना अद्भुत था कि सभी को विस्वास था कि पहला पुरस्कार उसी को मिलेगा। लेकिन तभी एक अजीब घटना हुई। दरबार में एक व्यक्ति आया, जिसका नाम मलकान था। वह अपने साथ एक सुंदर सी लड़की को लेकर आया था और उसने दावा किया कि वह एक खिलौना निर्माता है। उसने कहा कि वह जादू भी जानता है और अपनी जादुई शक्ति से उसने उस लड़की को बोलने वाली गड़िया बना दिया है। यह सुनकर पूरा दरबार आश्चर्य में पड़ गया, क्योंकि वह लड़की किसी जीवित इंसान जैसी लाल रही थी। सभी उसकी सच्चाई पर हैरान थे। मलकान ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हुए कहा कि वह और भी अद्भुत खिलौने बना सकता है, लेकिन राजा ने स्पष्ट कर दिया कि वह प्रतियोगिता जादू की नहीं बल्कि कला की है। राजा चाहते थे कि खिलौना हाथ से बनाया गया हो। यह सुनकर मलकान नाज हो गया और वह अपनी हाथगड़ियाह लेकर वहाँ से चला गया। जाते-जाते उसने अपने पीछे कांले जादू के निशान छोड़ दिए, जिससे सब और भी चिंतित हो गए। प्रतियोगिता में अंततः रुकी को विजेता घोषित किया गया, लेकिन दरबार में मलकान के व्यवहार को लेकर डर और शंका बनी रही।

सभी को लग रहा था कि मलकान आगे चलकर कोई बड़ा मुकाम कर सकता है। और हुआ भी वही—मलकान ने रुकी से बदला लेने की ठान ली। उसने रुकी के गाँव के पास एक ऊँची पहाड़ी पर अपना जादुई महल बना लिया और वहाँ लड़की के जादुई सैनिक तैनात कर दिए। धीरे-धीरे उस पहाड़ी के आसपास अजीब घटनाएँ होने लगीं। गाँववाले रात वहाँ लड़की काटने जाते तो उन्हें डरावनी आवाजें सुनाई देतीं, जमीन कांपने लगती और पानी तक बहने लगता। इससे सभी भयभीत हो गए। तभी एक अजनबी व्यक्ति ने गाँव में आकर बताया कि मलकान उस पहाड़ी की जादू से धीरे-धीरे गाँव से दूर खिसका रहे हैं ताकि रुकी को लकड़ी न मिल सके। रुकी ने स्थिति को गंभीरता से लिया और गाँववालों के साथ मिलकर जल्दी-जल्दी लकड़ी एकट्ठा करने का फैसला किया। रात-दिन मेहनत करके वे लकड़ी जमा करने लगे। लेकिन समस्या और बढ़ती गई, क्योंकि मलकान का जादू लगातार काम कर रहा था और पहाड़ी धीरे-धीरे अपनी जगह से हट रही थी। इसी बीच रुकी ने लकड़ी के जादुई सैनिकों को एकट्ठा कर एक योजना बनाई और उन्हें एक संस्कृ में बंद कर लिया। हालाँकि रात के समय वे लकड़ी के सैनिक उस संस्कृ से बाहर निकल आए और गाँव में लकड़ी लकड़ियों में आग लगा दी। इससे गाँव में आग-तफरी मच गई और कई लकड़ियाँ जलकर नष्ट हो गईं। रुकी को यह देखकर बहुत दुख हुआ, लेकिन उसने हार नहीं मानी। वह समझ गया कि यह सब मलकान की चाल है और उसने रुकी को जादू से पथर का बना दिया। लेकिन चाबी ताले में फँस गई और गलती से ताला खुल गया। जैसे ही ताला खुला, जादुई घड़ी की आवाज तेज हो गई और मलकान का जादू कमजोर पड़ने लगा। इसी मौके का फायदा उठाकर रुकी की शक्ति वापस आ गई। उसने मलकान को धक्का दिया और जादुई घड़ी को दूर फेंक दिया। घड़ी के टूटते ही पहाड़ी का खिसका रुक गया और पूरा जादू समाप्त हो गया। मलकान अपनी शक्ति खोकर वहाँ से भाग गया और कभी वापस नहीं आया। इसके बाद रुकी अपने बेटों के साथ गाँव लौट आया। धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो गया। मुरझाए खेत फिर से हरे हो गए, सूखे कुएँ पानी से भर गए और खुशहाली लौट आई। गाँववालों ने रुकी का स्वागत किया और उस दिन सभी ने मिलकर जीत और शांति का जश्न मनाया।

बेशकीमती सरकारी भूमि पर आखिर कैसे हो गया कश्मीर सिंह का कब्जा

क्या जिम्मेदार अधिकारियों को खबर नहीं लगी, शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। तहसील भोगांव क्षेत्र के मौजा छाछा में बेशकीमती करोड़ो रुपए की सरकारी भूमि पर भाजपा नेता सुल्तानगंज ब्लॉक पति कश्मीर सिंह लोधी और उसके ग्राम प्रधान भाई पूरन चंद्र का अवैध कब्जा कैसे हो गया, यह एक बहुत बड़ा सवाल है। नेशनल हाईवे किनारे बेशकीमती भूमि पर एक साथ कब्जा तो हुआ ही नहीं है।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा धीरे धीरे किया गया है। अब सवाल उठता है कि अधिकारियों को इसकी भनक नहीं लगी, या फिर अधिकारी मौन धारण किए रहे। सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा मामले में शिकायत



किए जाने के बाद भी अधिकारियों ने कार्रवाई करना उचित नहीं समझा, अब शुक्रवार को फिर एक पीड़ित किसान द्वारा शिकायत की गई है। अब देखना है कि बेशकीमती सरकारी भूमि पर कब्जा करने वाले भूमाफियाओं के खिलाफ क्या कार्रवाई करता है।

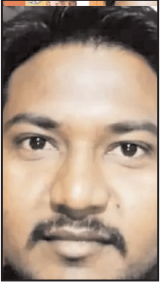
ज्ञात हो कि तहसील भोगांव के मौजा छाछा में क्षेत्र के गांव नगला

फांसी पर लटका मिला मैरिज होम संचालक का शव

गृहवलेथ से सुसाइट करने की आशंका, बजह स्पष्ट नहीं

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गांव लखौरा निवासी मैरिज होम संचालक का शव मैरिज होम के कमरे में ही फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिजन तलाशते हुए पहुंचे तो फांसी पर लटका देख चीख निकल गई। परिजन तत्काल सीएचसी कुरावली लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



थाना क्षेत्र के गांव लखौरा निवासी 35 वर्षीय रोहित पुत्र मुन्नालाल गांव में ही मैरिज होम का संचालन करते थे। शनिवार की दोपहर करीब 3.30 बजे वह घर से लगभग आधा किलोमीटर दूर स्थित मैरिज होम पहुंचे थे। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर करीब डेढ़ से दो घंटे बाद

क्लेश की आशंका जताई जा रही है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रोहित की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दोनों की शादी करीब आठ साल पहले हुई थी। उनका पांच साल का एक बेटा है।

कुरावली में गणेश पूजन के साथ रामलीला का शुभारंभ

निकाली गई रावण शोभायात्रा, 18 दिन तक चलेगी रामलीला



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। शनिवार को नगर के महाराज जी बाबा मंदिर के निकट सुजार्इ रियासत में गणेश पूजन के साथ प्रति वर्ष आयोजित होने श्रीराम लीला का शुभारंभ किया गया। सुजार्इ में रामलीला कमेटी रजि. के अध्यक्ष नगर पंचायत चेयरमैन धर्मेन्द्र वर्मा धम्मा और मेला अध्यक्ष वीरेश कुमार अन्नू और कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश माथुर ने भगवान गणेश जी की आरती उतारी, जिसके बाद नगर के विभिन्न मार्गों पर रावण शोभायात्रा निकाली गई।

सुजार्इ में महाराज जी बाबा मंदिर के पास से शुरू हुई रावण शोभायात्रा में भगवान गणेश जी की झांकी

आकृषण का केंद्र बनी हुई थी। शोभायात्रा जीटी रोड, सदर बाजार का भ्रमण करते हुए रमालीला मैदान पहुंची, नगर में जगह जगह शोभायात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया गया। मेला कमेटी कार्यवाहक अध्यक्ष अध्यक्ष राकेश माथुर ने बताया कि नगर में रामलीला 18 दिन तक चलेगी, 14 अक्टूबर को प्रभु श्रीराम जी की बरात का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बाहर के जिलों से झांकियां आकृषण का केंद्र बनेगी।

रामलीला शुभारंभ के दौरान रामलीला कमेटी रजि. के अध्यक्ष धर्मेन्द्र वर्मा धम्मा, मेला कमेटी अध्यक्ष वीरेश कुमार अन्नू, कोषाध्यक्ष भानु वर्मा, महामंत्री मनोज गुप्ता पिंटू , अंकित गुप्ता, नीरज गुप्ता, कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश माथुर आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, दूसरा घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी। थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति घायल हो गया। मामले में मृतक के पुत्र धर्मेन्द्र कुमार पुत्र छेदालाल निवासी बसेत की तहरीर पर पुलिस ने बाइक के अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। धर्मेन्द्र कुमार ने तहरीर में बताया कि उनके पिता छेदलाल 23 सितंबर को गांव के सजीव कुमार पुत्र हरशमा की मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर कटरा समान में भजन-कीर्तन का कार्यक्रम समाप्त होने के बाद किशनी बस स्टैंड की ओर जा रहे थे। दोपहर करीब 3.30 बजे टी एस गाईन के सामने एक बाइक सवार ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में छेदलाल और सजीव कुमार दोनों घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने छेदालाल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मैनपुरी में एचपीसीएल ने बंद किए 6200 एलपीजी गैस कनेक्शन पीएनजी पाइपलाइन वाले क्षेत्रों में एलपीजी रिफिल आपूर्ति रोकी गई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। खाड़ी देशों के बीच हुए युद्ध के बाद से एलपीजी सिलिंडर का शुरू हुआ संकट अब उपभोक्ताओं के लिए बड़ी समस्या बनने जा रहा है। जिले में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) द्वारा 6200 घरों में एलपीजी के कनेक्शन बंद कर दिए हैं। ये उपभोक्ता अब रिफिल सिलिंडर की बुकिंग नहीं करा पाएंगे। एचपीसीएल के अधिकारियों का कहना है कि इनमें से अधिकांश के यहां पाइड नेचुरल गैस (पीएनजी) के कनेक्शन हैं और अधिकांश वे उपभोक्ता भी शामिल हैं, जिनके घरों के सामने से पीएनजी की पाइप लाइन गुजरी है।

एचपीसीएल के भौगोलिक क्षेत्र प्रमुख रामतरन सिंह के अनुसार पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 24 मार्च 2026 के आदेश में स्पष्ट कर दिया था कि जिन आवासीय क्षेत्रों में पीएनजी की पाइप लाइन बिछाई है, वहां उपभोक्ताओं को कनेक्शन लेने होंगे। कनेक्शन स्वीकृत होने के तीन माह के अंदर उनके एलपीजी सिलिंडर को बंद कर दिया जाएगा।

क्या बोले तहसीदार भोगांव

मौजा छाछा में सरकार भूमि पर अवैध कब्जा करने का मामला संज्ञान में नहीं है। और ना ही इसकी कोई शिकायत मिली मिली है, छाछा में सरकारी भूमि पर कब्जा करने के बारे में जानकारी की जाएगी, इस मामले की पूरी जांच कराई जाएगी, जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। अगर सरकारी भूमि पर कब्जा किया गया तो उसे खाली कराया जाएगा।

– घासीराम, तहसील भोगांव।

कश्मीर सिंह और उसके ग्राम प्रधान भाई पूरन चंद्र और भाभी सियादेवी पूर्व प्रधान छाछा और पत्नी सुल्तानगंज ब्लॉक प्रमुख अस्मिता ने ग्राम पंचायत छाछा की बेशकीमती सरकारी भूमि गाटा संख्या 298/0.162 हे०, 3933/0.360 हे०, 3935/0.615 हे० ऊसर व 3835 और 3865/0.068 हे० उत्तर प्रदेश सरकार की सम्पत्ति जिसका वर्तमान समय में बाजारी मूल्य करीब 20 करोड़ रुपए है पर कागजों में हेराफेरी कर अधिकारियों से मिलीभगत करके अवैध कब्जा कर लिया है।

किसी भी गरीब की भूमि पर कोई दबंग काबिज न रह पाए

थाना समाधान दिवस में डीएम, एसपी ने औख में सुनीं शिकायतें

मोर्निंग सिटी संवाददाता



लेखपाल अपने-अपने क्षेत्र में अनाधिकृत कब्जा करने वालों के विरुद्ध तत्काल प्रभाव कार्यवाही करें, संपूर्ण समाधान दिवस, मिशन औख में जन-समस्याएं सुनने के दौरान उपस्थित कानून-गो, लेखपाल, पुलिस कमिश्नों को निर्देश देते हुए कहा कि भूमि विवादों के प्रकरण में बेहद संवेदनशील रहकर कार्य करें, थाना समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों पर मौके से ही राजस्व, पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजकर यथासंभव उसी दिन समस्या का निदान कराया जाए।

डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा अनाधिकृत कब्जा करने वालों के अनाधिकृत कब्जा करने वालों की भूमि पर जबरन कब्जों की शिकायतें निरंतर प्राप्त हो रही है, जिससे प्रतीत होता है कि राजस्व कमिश्नों द्वारा धरातल पर अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने सचेत करते हुए कहा कि राजस्व कर्मी,

जबरन कब्जा किये जाने तथा जान से मारने की धमकी देने, छतारी नि. अनीता ने भूमि की पैमाइश के उपरांत भी दबंग व्यक्तियों द्वारा खेती करने में अवरोध उत्पन्न करने, विक्रमपुर नि. प्रतीती कठेरिया ने भू-माफिया, गुण्डा किस्म के व्यक्तियों द्वारा भूमि पर जबरन कब्जा करने तथा जान से मारने की धमकी देने, ग्राम नगला मोती नि. नवीश चन्द्र ने गाटा संख्या-938 पर विपक्षी द्वारा अवैध रूप से किये गये कब्जे को खाली कराने, इसके अलावा अन्य

पीड़ितों ने भी अपनी शिकायतें दी, जिस पर डीएम ने मौके से ही पुलिस, राजस्व की संयुक्त टीम तहसीलदार, थानाध्यक्ष के निर्देशन में गठित कर आज ही मौके पर जाकर समस्याओं का समाधान कराकर फरियादियों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिये। इस दौरान क्षेत्राधिकारी कुरावली सच्चिदानंद सिंह, तहसीलदार कुरावली, प्रभारी निरीक्षक औछा, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल आदि उपस्थित रहे।

कलश यात्रा के साथ होगा भागवत का शुभारंभ आज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी। नवरात्रि के पावन पर्व पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सोहम आश्रम पर श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ आज से होगा. कथा के आयोजक ग्राम सोनारी निवासी शिक्षक ब्रह्मानंद गुप्ता ने बताया की रविवार को दोपहर 12 बजे से कलश यात्रा का शुभारंभ होगा और आश्रम पर भागवत कथा 18 अक्टूबर तक चलेगी, 19 अक्टूबर को भंडारा आयोजित होगा, भागवत कथा का गुडगान वृंदावन के सरस कथा वाक्क अरविंद जी महाराज के द्वारा किया जाएगा, उन्होंने समस्त नगर ब क्षेत्रवासियों से भागवत कथा में पधारने की अपील की है।

शराबी युवक ने महिला को पीटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। शराब के नशे में धुत युवक ने महिला के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। घटना की रिपोर्ट पुलिस ने दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर के मुहल्ला भीम नगर निवासी अनीता पत्नी हेमन्त सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया विगत दिवस अपने घर पर थी तभी मुहल्ले के ही अमन उर्फ कल्लू पुत्र देवेन्द्र सिंह शराब के नशे में वहां पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा मना करने पर मारपीट कर ली।

प्रधानाध्यापकों को सिखाए विद्यालय प्रबंधन के गुर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की प्रशासनिक दक्षता और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय समर्थ मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण का समापन हो गया। अंतिम दिन प्रधानाध्यापकों को तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, तकनीकी उपकरणों के उपयोग, योग, कार्य विभाजन और टीम निर्माण के बारे में जानकारी दी गई। शनिवार को प्रशिक्षण के अन्तिम दिन प्राचायं एवं जिला बैसिक शिक्षा अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रशिक्षण सत्र में मास्टर ट्रेनर धीरज सिंह ने तनाव प्रबंधन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयें रोचक तरीके से साझा कीं। अन्य मास्टर ट्रेनरों ने विद्यालयों में वित्तीय गतिविधियों के संचालन, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के संबंध में जानकारी दी। इस मौके पर मास्टर ट्रेनर कमल पांडेय, अशोक कुमार, विनय कुमार, अरविंद कुमार और प्रदीप कुमार ने भी विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। डायट प्रक्ता वीरेंद्र कुमार, आरेंद्र चौहान, प्रधानाध्यापक राकेश कुमार, प्रमोद कठेरिया, कृष्ण कुमार, संजीव कुमार, वैभव यादव, कृष्णवीर, रामदयाल सिंह, वंदना शाव्य, मिथिलेश कुमार आदि मौजूद थे।

लेखपालों का 8 सूत्रीय मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन



मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर शनिवार को मैनपुरी सदर तहसील के लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने 8 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा और मांगें पूरी न होने पर 17 अक्टूबर से पूर्ण कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी। लेखपालों का कहना है कि लगातार बढ़ते काम के बावजूद उनकी कई मांगें सलीब से लंबित हैं। इन्में ग्रेड पे 2800 रुपये करना, वेतन विसंगति दूर करना और अंतर्मंडलीय ट्रांसफर के लिए ऑनलाइन पोर्टल खोलना शामिल है। इसके अलावा स्टेशनरी भत्ता बढ़ाकर 500 रुपये, मोटरसाइकिल भत्ता 1500 रुपये और विशेष भत्ता 1000 रुपये प्रतिमाह करने की भी मांग की गई। लेखपाल पद को तकनीकी पद घोषित करने और लैपटॉप व मोबाइल उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई। संघ अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि अगर मांगों पर जल्द सकारात्मक फैसला नहीं हुआ तो 17 अक्टूबर से प्रदेशव्यापी आंदोलन और कार्य बहिष्कार होगा। इस दौरान पुष्पेंद्र सिंह चौहान, श्याम गुप्ता, सत्यम चौहान, प्रीति यादव, शिवांगी, भूपेंद्र, निशी और प्रशांत राठीर जैसे लेखपाल मौजूद रहे।

लेखपालो ने काली पट्टी बांधकर किया विरोध प्रदर्शन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। अपनी मांगों को लेकर लेखपालो ने थाना परिसर मे आयोजित समाधान दिवस पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करते हुये मांगो को पूरा करने की मांग की। शनिवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आवाहन पर थाना कोतवाली में आयोजित थाना समाधान में लेखपालो ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। थाना परिसर मे आयोजित थाना समाधान दिवस पर तहसीलदार घासीराम ने आने वाले फरियादियों की समस्याओ को सुना। इस मौके पर क्राइम प्रभारी निरीक्षक ब्रजकिशोर, लेखपाल संघ के अध्यक्ष प्रदीप रावसेना, संधा यादव, अरुणा यादव, अरविन्द आर्या, पवन कुमार, जयदीप कुमार,राजेश गौतम, राहुल शुक्ला, अब्दुल नगीम, आकाश, मनोज, अंजुल राजपुत, अनुराधा, गौरव कुमार, प्रदीप गोयल, चन्द्रपाल यादव, मुनेश यादव, आदित्य यादव, अभिनव सिंह आदि मौजूद रहे।

खेतों में पराली जलाने पर अब सेटेलाइट से होगी निगरानी

मैनपुरी। धान की कटाई शुरू होते ही खेतों में पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था सक्रिय कर दी है। इस बार खेतों में फसल अवशेष जलाने वालों पर सेटेलाइट से नजर रखी जाएगी। जनपद में करीब 52 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में धान की खेती हुई है। कटाई के बाद निकलने वाले अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए किसानों को जागरूक करने के साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की तैयारी है। गांवों में लेखपालों और कृषि विभाग के कर्मचारियों को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सेटेलाइट से आग लगने की सूचना मिलने पर संबंधित खेत का स्थलीय सत्यापन कराया जाएगा। पराली जलाने की पुष्टि होने पर संबंधित किसान से निर्धारित पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति वसूल की जाएगी। उप कृषि निदेशक नरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि किसान फसल अवशेष जलाने के बजाय कृषि यंत्रों की मदद से उनका प्रबंधन करें। पराली को खेत में मिलाकर खाद बनाने अथवा अन्य उपयोग में लाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने में मदद मिलती है। उन्होंने किसानों से नियमों का पालन करने की अपील की है।

एसडीएम की अपील, मिलजुल कर मनाएं सभी लोग त्योहार

बैठक में शांति और सौहार्द बनाए रखने पर दिया गया जोर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए शनिवार को थाने में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम नवनीता राय ने लोगों से आपसी भाईचारे के साथ सभी त्योहार मनाने और आपसी मनमुटाव दूर करने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश देते हैं, इसलिए सभी लोग मिलजुलकर त्योहार मनाएं और शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। एसडीएम नवनीता राय ने कहा कि आगामी दिनों में दुर्गा पूजा, विजयदशमी, करवाचौथ, धनतेरस और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार आने वाले हैं। इन त्योहारों



के दौरान किसी भी नई परंपरा की शुरूआत न की जाए। पूर्व से निर्धारित कार्यक्रमों के आयोजन के लिए नियमानुसार अनुमति अवश्य ली जाए। सड़क और चौराहों पर ऐसे कार्यक्रम न किए जाएं, जिनसे आवागमन बाधित हो या आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़े। उन्होंने दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के संबंध में भी आयोजकों से पुलिस को

अच्छी गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान पुलिस की चेकिंग में सभी लोग सहयोग करें। पुलिस किसी को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करेगी। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए एएसएम ने कहा कि त्योहारों के दौरान आमजन की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बैठक में थाना प्रभारी गगन गौड़ ने व्यापारियों से धनतेरस से पहले अपने प्रतिष्ठानों पर

मोटरसाइकिल के बैग से 01 लाख रुपए की चोरी करने वाले शातिर चोर को चोरी के 26 हजार नगद सहित किया गया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात) जनपद कानपुर देहात में चोरी की घटना की रोकथाम व खुलासे हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, 08 अक्टूबर को थाना राजपुर पर वादी श्री कोमल सिंह पुत्र छोटेलाल निवासी ग्राम कमलपुर, थाना राजपुर जनपद कानपुर देहात द्वारा लिखित तहरीर 07 अक्टूबर को रूक बैंक राजपुर के बाहर खड़ी वादी की टीवीएस मोटरसाइकिल की डिग्री से ₹1,00,000/- किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लेने के सम्बन्ध में दी गयी । जिसके आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 112/2026 धारा 303(2) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया । दौरान विवेचना अभियुक्त सुरेश पुत्र अच्छेलाल निवासी ग्राम गहेसर थाना



दिबियापुर, जनपद औरैया का नाम प्रकाश में आया। मुकदमा उपरोक्त में थाना राजपुर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिरखास की सूचना पर अभियुक्त सुरेश

उपरोक्त को थाना राजपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम अनवा से जालौन जाने वाली सड़क से शनिवार को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण की जामा तलाशी

से चोरी के ₹ 26,400/- नगद बरामद किए गए । गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गयी । गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है ।

पुछताछ में अभियुक्त ने बताया कि मैं अपने साथी दीपू कटियार पुत्र सुरेश निवासी ग्राम गहेसर थाना दिबियापुर जनपद औरैया के साथ मिलकर चोरी करता हूँ । पहले मैं और मेरा साथी बैंकों के पास रेकी करते हैं और रेकी कर जानकारी करते हैं कि कौन व्यक्ति बैंक से ज्यादा पैसे निकाल रहा है फिर हम दोनों उस व्यक्ति के आस-पास ही रहते हैं तथा पैसें को चोरी करने का मौका ढूँढते हैं । जैसे ही हम लोगों को मौका मिलता है हम लोग पैसा चोरी करके लोगों की नजरों

से बचते हुए निकल जाते हैं तथा चोरी के पैसें को हम लोग खाने-पीने में खर्च कर देते हैं । 07 अक्टूबर को दोपहर के समय भी हम दोनों ने एसबीआई कस्बा राजपुर के पास से एक मोटरसाइकिल की डिग्री से पैसें से भरा बैग चोरी किया था। उस बैग से हम लोगों को ₹1,00,000/- मिले थे और बैग में कुछ कागज भी थे। हम लोगों ने बैग से पैसे निकाल लिये और बैग को ले जाकर नदी में फेंक दिया था। बैग से मिले रुपयेों को हम लोगों ने आपस में बराबर बांट लिया था, जिसमें से मेरे हिस्से में ₹50,000/-आए थे । मेरे पास से जो यह रुपये बरामद हुए हैं, वह उसी चोरी से प्राप्त रुपये हैं तथा मैंने बाकी के रुपए खाने-पीने में खर्च कर दिए हैं । आज मैं अनर्वा रोड से होकर जालौन जा रहा था जहां रास्ते में मुझे दीपू मिल जाता लेकिन आप लोगों ने मुझे पकड़ लिया।

राज्य स्तरीय सब-जूनियर बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले

मोर्निंग सिटी संवाददाता

माती (कानपुर देहात) खेल निदेशालय, उत्तर प्रदेश एवं बास्केटबॉल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में जनपद कानपुर देहात के द जैन वर्ल्ड स्कूल, झांसी हाईवे, मावर में आयोजित राज्य स्तरीय सब-जूनियर बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन शनिवार को विभिन्न मंडलों की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता में प्रदेश के 14 मंडलों की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रदर्शन करते हुए आगले दौर में प्रवेश के लिए जोरदार प्रयास किए।

प्रथम पाली में खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले

प्रतियोगिता की प्रथम पाली में प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। इनमें लखनऊ मंडल ने चित्रकूट मंडल को 24-02 से पराजित किया। गोरखपुर मंडल ने अलीगढ़ मंडल को 25-11 से हराया, जबकि प्रयागराज मंडल ने बस्ती मंडल को कड़े मुकाबले में 13-12 से शिकस्त दी। वहीं, आजमगढ़



मंडल को वॉकओवर के माध्यम से विजेता घोषित किया गया।

द्वितीय पाली में हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबले

द्वितीय पाली में क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के दौरान आगरा मंडल ने लखनऊ मंडल को 29-18 से पराजित किया। गोरखपुर मंडल ने कानपुर मंडल को 13-02 से हराकर जीत दर्ज की। वाराणसी मंडल ने प्रयागराज मंडल को 15-08 से पराजित किया, जबकि मेरठ मंडल ने आजमगढ़ मंडल को 07-00 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल मुकाबला वाराणसी एवं मेरठ मंडल की टीमों के बीच खेला गया। इस मुकाबले में वाराणसी की

टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेरठ मंडल को 13-00 से पराजित कर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की।

प्रतियोगिता के अंतर्गत अगले चरण के मुकाबले रविवार, 11 अक्टूबर 2026 को प्रातः 06:30 बजे से आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान दूसरा सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबला खेला जाएगा, जिसके माध्यम से प्रतियोगिता के विजेता का निर्णय होगा।

समस्त प्रतियोगिता का आयोजन जिला क्रीडाधिकारी नीलम सिद्दीकी की देखरेख में कराया जा रहा है। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रदेश की उभरती हुई बालिका खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा खेल कौशल को निखारने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

बाजारों/ सार्वजनिक स्थानों पर महिला सुरक्षा,सशक्तिकरण और कानूनी अधिकारों हेतु चलाया गया जागरूकता अभियान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर(कानपुर देहात) मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के अन्तर्गत शनिवार को पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निदेशन में जनपदीय थाना पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को बाजारों, सार्वजनिक स्थानों, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूक किया गया। इस अभियान के माध्यम से सैकड़ों महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण, कानूनी अधिकारों तथा अपराधों से बचाव के उपायों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

अभियान के दौरान महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 181 - महिला हेल्पलाइन, 1090 - महिला शक्ति लाइन, 1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन, 112 - इमरजेंसी हेल्पलाइन, 1076 - पुलिस कंट्रोल रूम आदि की जानकारी दी गयी । इसके अतिरिक्त, वटउडह पेप के माध्यम से पुलिस सेवाओं का चरित लाभ उठाने तथा सोशल मीडिया पर व्याप्त साइबर अपराधों (फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग, फर्जी



प्रोफाइल/खातों से संबंधित धोखाधड़ी आदि) से बचाव के व्यावहारिक जानकारी दी गयी । महिलाओं को उनके कानूनी अधिकार ढडउडह एक्ट (बाल यौन शोषण से संरक्षण), देहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, साइबर अपराधों से संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की जानकारी प्रदान की गयी ।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने की

दिशा में यह अभियान निरंतर संचालित है। इसका मूल उद्देश्य समाज में महिलाओं को सशक्त एवं सुरक्षित महसूस कराना तथा अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को मजबूत करना है। कानपुर देहात पुलिस सभी महिलाओं एवं बालिकाओं से अपील करती है कि वे किसी भी प्रकार की असुरक्षा या अपराध की स्थिति में तुरंत निकटतम पुलिस थाने या उपरोक्त हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें। हम सब मिलकर एक सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सशक्त समाज का निर्माण करें।

हत्या के प्रयास में वांछित 01 अभियुक्त को अवैध तमंचा-कारतूस के साथ किया गया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मंगलपुर(कानपुर देहात) जनपद कानपुर देहात में चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में 07 अक्टूबर को थाना मंगलपुर पर वादी अभिषेक पुत्र सियाराम निवासी ग्राम जिष्ठामऊ थाना मंगलपुर द्वारा लिखित प्रार्थना पत्र बावत वादी द्वारा अपने साथी को लेने ग्राम बलरामपुर जाना तभी गांव के बाहर पहुंचते ही अभियुक्त द्वारा एकराय होकर वादी को गाली गलौज करना मना करने पर अवैध असलाह से जान से मारने की नियत से वादी के ऊपर फायर कर देना जिससे वादी की बायीं जांघ में गोली लग जाना व मोटर साइकिल क्षतिग्रस्त होने के सम्बन्ध में दी गयी । जिसके आधार पर थाना मंगलपुर पर मु0अ0सं0 335/2026 धारा 3(5)/191(2)/191(3)/352 /109(1)/324(4) बीएनएस बनाम 1. रामशंकर पुत्र जयनारायण निवासी ग्राम बलरामपुर, थाना मंगलपुर जनपद कानपुर देहात, व 06 नामित अभियुक्त एवं अन्य अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध पंजीकृत किया गया था। थाना मंगलपुर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त में वांछित



अभियुक्त रामशंकर पुत्र स्व0 जयनारायण सिंह निवासी ग्राम बलरामपुर थाना मंगलपुर जनपद कानपुर देहात को चिरखिरी गांव से आगे थाना क्षेत्र मंगलपुर से शनिवार को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्त की जामा तलाशी में कब्जे से अवैध 01 तमंचा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ।

बरामदगी आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 126(2) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गयी । मुदकदमा उपरोक्त में शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों द्वारा सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं । गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया गया

सपा नेताओं ने विरोध प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त का फूका पुतला



मोर्निंग सिटी संवाददाता

माती(कानपुर देहात) जिला मुख्यालय गेट पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्ती व गिरफ्तारी की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद राजराम पाल व जिलाध्यक्ष अरुण यादव (बबलू राजा) की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय से होकर मुख्यालय गेट पर जमकर विरोध प्रदर्शन क?या इस बीच पुर्ला?स ने कार्यकर्ताओं को पुतला दहन करने से रोकना चाहिए परन्तु आक्रोषित कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतले को आग लगाते के साथ उनकी फोटो पर थूककर तथा जूती से पीटकर विरोध दर्ज कराया ' इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आंधे घंटे तक मुख्यालय गेट पर जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन के दौरान ज्ञानेश कुमार का पुतला फूके जाने के

मामले में पुलिस और सपा कार्यकर्ताओं के बीच कहासुनी भी हुई। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने निष्पक्ष चुनाव कराने में विफलता दिखाई है और इसके चलते लोकतंत्र को खतरा उत्पन्न हो गया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त नहीं किया जाता उनका विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया 'उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की निष्क्रियता के कारण चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं' पार्टी के नेताओं ने कहा कि वे इस मुद्दे को उठाएंगे और सरकार से जवाब मांगेंगे '

दिव्यांगजन की 9 सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

सिकंदरा(कानपुर देहात) दिव्यांगजन की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर काग्रिस कमेटी दिव्यांग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अरविंद पाल के नेतृत्व में तहसील सिकंदरा में उप जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम 9 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से दिव्यांगजनों की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक एवं परिवहन संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग की गई। जिलाध्यक्ष अरविंद पाल ने कहा कि दिव्यांगजन लंबे समय से अपनी मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने प्रमुख मांगों में शिक्षा विभाग में तैनात दिव्यांग कर्मचारियों का अंतर्जनपदीय स्थानांतरण, दिव्यांगजनों को



₹5,000 प्रतिमाह पेंशन, बिजली मुफ्त किए जाने तथा दिव्यांगजनों के बच्चों को

कक्षा 1 से 12 तक सरकारी एवं निजी विद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध

डीआईजी व एसपी द्वारा जनप्रतिनिधियों, व्यापार मंडल एवं मीडिया कर्मियों के साथ बैठक कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था पर संवाद किया गया

मोर्निंग

सिटी

संवाददाता

माती

(कानपुर देहात)

जनपद

कानपुर देहात को पुलिस

लाइन स्थित सभागार कक्ष

में पुलिस उपमहानिरीक्षक

यमुना प्रसाद एवं पुलिस

अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र

पाण्डेय की उपस्थिति में

बैठक आयोजित की गई। बैठक में

जनपद के जनप्रतिनिधियों एवं व्यापार

मंडल के पदाधिकारियों के अलावा मीडिया कर्मियों साथ संवाद किया

गया। बैठक में जनपद की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था, यातायात

व्यवस्था,व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तथा जनहित से जुड़े विभिन्न

विषयों पर चर्चा की गई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं व्यापार मंडल के

पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न सुझाव एवं समस्याएं रखी गईं, जिन पर पुलिस

अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय द्वारा संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार

आवश्यक कार्यवाही एवं प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने हेतु दिशा-निर्देश

दिए गए। वहीं मीडिया कर्मियों द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव एवं विषय

पुलिस अधिकारियों के समक्ष रखे गए,जिन पर पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं

पुलिस अधीक्षक द्वारा आवश्यक विचार-विमर्श किया गया तथा संबंधित

अधिकारियों को सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के

दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक द्वारा जनप्रतिनिधियों, व्यापार मंडल एवं

मीडिया प्रतिनिधियों के साथ निरंतर समन्वय एवं संवाद बनाए रखने तथा

जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए

रखने पर विशेष बल दिया गया।



अवैध रूप से संचालित हो रहे क्लिनिक व मेडिकल स्टोरों पर स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी, किये सीज

मोर्निंग

सिटी

संवाददाता

सिकंदरा

(कानपुर देहात)

काफी समय से अवैध रूप से संचालित हो रहे क्लीनिक

व मेडिकल स्टोरों के खिलाफ शासन प्रशासन की संयुक्त टीम ने छापेमारी की ' जिसमें

नोडल अधिकारी डॉक्टर अशोक कुमार, चिकित्साधिकारी सिकंदरा

डॉक्टर पवन कुमार व तहसील टीम में कस्बा सिकंदरा के राठौर मेडिकल

स्टोर व न्यू नीरज मेडिकल क्लिनिक सीज किये ' अवैध रूप से संचालित

कर रहे चिकित्सा संचालको द्वारा गरीब जनता से इलाज के नाम पर

मनमुताबिक रूपए कमाए जा रहे है ' वहीं लगातार जान जोखिम में

डालकर गरीब क्षेत्रीय लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है ' बताते चलें कि जनपद के तमाम क्षेत्रों मे मौसम परिवर्तन के बाद से

झोलाछाप डॉक्टरों की भरमा हो गयी है ' जिसकी लगाम के लिए नोडल

अधिकारी स्वास्थ्य विभाग की टीम में अचानक अवैध क्लीनिक,

अस्पताल व मेडिकल स्टोरों के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाकर

औरूचक कार्यवाही की गयी ' जिसमें मुख्य रूप से राठौर मेडिकल स्टोर

व नीरज मेडिकल के आड़ मे क्लीनिक चलाते हुए पकड़े गए ' जिसमें

नोडल अधिकारी डॉक्टर अशोक कुमार द्वारा दोनों को सीज कर कार्यवाही

की गयी ' इस कार्यवाही से समूचे कस्बे मे संचालित अवैध चिकित्सा

संचालको मे हड़कंप सा मच गया ' थाना सिकंदरा पुलिस टीम की

मौजूदगी मे कार्यवाही के दौरान भारी तादात मे लोगों का हजूम जमा रहा

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनी जनसमस्याएं,समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

मोर्निंग

सिटी

संवाददाता

माती

(कानपुर देहात)

जिलाधिकारी

कपिल

सिंह ने कलेक्ट्रेट में

आयोजित जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों

की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना।

उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को

निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का शासन की मंशा के अनुरूप

समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि

आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक

परेशानियों का सामना न करना पड़े। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों

से संबंधित शिकायतें एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें राजस्व, भूमि विवाद,

विकास कार्य, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, विद्युत, पेयजल, सड़क,

पुलिस तथा अन्य जनहित से जुड़े प्रकरण शामिल रहे। जिलाधिकारी ने

शिकायतों का विभागवार संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा प्रत्येक प्रकरण का प्राथमिकता के

आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि

जनसामान्य की शिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं

में शामिल है। अतः सभी अधिकारी प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से

परीक्षण करें तथा निर्धारित समयवधि में उनका गुणवत्तापूर्ण एवं

संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी

प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य जनसामान्य की समस्याओं

का प्रभावी समाधान कर उन्हें राहत प्रदान करना है। इसके लिए सभी

अधिकारी संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें तथा जनहित

से जुड़े मामलों में प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित

करें।

अवैध पटाखों के भण्डारण / बिक्री के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 302 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद किए।

मोर्निंग

सिटी

संवाददाता

मंगलपुर

(कानपुर देहात) जनपद

कानपुर देहात में अवैध

पटाखे के भण्डारण /बिक्री

हेतु चलाये जा रहे विशेष

अभियान के अन्तर्गत थाना

मंगलपुर पुलिस द्वारा

अवैध पटाखों के भंडारण

के विरुद्ध कार्यवाही करते

हुए 10 बोरियों में रखे कुल



302 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद किए गए। बरामद पटाखों का एंटी सबोटजा टीम द्वारा परीक्षण किया गया है। अवैध पटाखे बरामदगी के आधार पर थाना मंगलपुर पर मुकदमा अपराध संख्या 337/2026, धारा 5/9बी विरोधक अधिनियम,1884 चालित अभियुक्त पंजीकृत किया गया है। जिसके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है। वहीं थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव मय पुलिस टीम की इस धरपकड़ से मंगलपुर क्षेत्र मे अवैध रूप से पटाखा जमा करने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही से हड़कंप मच गया ' प्रभारी ने बताया कि इसी तरह क्षेत्र मे रोजाना अभियान चलाया जाएगा ' जिससे आगामी त्योहारों मे किसी अनहोनी घटनाओं से लोगों को बचाया जा सके '



अभिनय को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से बेहद खुश है संदीपा धर

हाल ही में रिलीज हुई ओटीटी सीरीज 'चुंबक' में अपने अभिनय को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से अभिनेत्री संदीपा धर बेहद खुश हैं। 'चुंबक' में संदीपा धर के साथ सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, नीना गुप्ता और मानसी पारेख भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। सीरीज के निर्देशक आतिश कपाड़िया के साथ अपनी पहली मुलाकात और उनके द्वारा दिए गए अनोखे नैरेशन के अनुभव को याद करते हुए संदीपा ने इसे बेहद खास बताया। मुंबई के बीकेसी में सीरीज के प्रमोशन के दौरान, संदीपा धर ने अपने सह-कलाकारों सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, नीना गुप्ता और मानसी पारेख के साथ इस अनुभव को साझा किया। संदीपा ने बताया कि आतिश कपाड़िया ने कहानी सुनाते समय सभी किरदारों को स्वयं निभाकर दिखाया था। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह बहुत हैरान करने वाला था। जब उन्होंने मुझे कहानी सुनाई, तो उन्होंने सभी किरदार निभाए। एक किरदार से दूसरे किरदार में जाते समय उनकी आवाज, बोलने का अंदाज और हावभाव पूरी तरह बदल जाते थे। अभिनेत्री ने आगे बताया कि आतिश ने इतनी बारीकी से प्रस्तुति दी कि उन्होंने बैकग्राउंड म्यूजिक तक तैयार कर रखा था। संदीपा ने उस पल को याद करते हुए कहा, मैं बस उन्हें देख रही थी और सोच रही थी कि वे भगवान, ये इंसान कौन हैं? इससे पहले, संदीपा ने आतिश कपाड़िया के साथ काम नहीं किया था, लेकिन उनके नैरेशन ने ही उनके मन में आतिश के साथ काम करने और उनसे सीखने की गहरी इच्छा पैदा कर दी थी। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि रिफ़्ट पढ़ने के बाद उनकी उत्सुकता और भी बढ़ गई। उन्होंने कहा, जब मैंने रिफ़्ट पढ़ी तो मैं बस हैसती रह गई। यह बहुत मजेदार थी। मुझे लगता है कि इसमें आतिश कपाड़िया की बुद्धिमत्ता, हास्य और उनकी पूरी रचनात्मक शैली की स्पष्ट झलक मिलती है। संदीपा ने यह भी व्यक्त किया कि उन्हें सीरीज में कोई भी भूमिका मिलती, वह उसे करने के लिए तैयार रहतीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर अभिनेता का सपना होता है कि वह इस तरह के सेटअप में काम करें। अगर मुझे फिरन का किरदार नहीं भी मिलता और कोई दूसरा रोल दिया जाता, तब भी मैं उसे करती। यह अनुभव शानदार था।

सलमान ने किया मुश्किल दौर को याद

अभिनेता सलमान खान ने अपने करियर के उस दौर को याद किया है, जब उनकी फिल्मों, निजी जिंदगी और कानूनी मामलों को लेकर लगातार नकारात्मक खबरें सामने आती थीं। 'बिग बॉस 20' के हालिया एपिसोड में सलमान ने कंटेस्टेंट्स से बातचीत के दौरान अपनी जिंदगी के उस समय का उदाहरण दिया और बताया कि किस तरह टेलीविजन शो 'दस का दम' ने उनकी सार्वजनिक छवि को एक अलग दिशा देने में मदद की। सलमान खान ने कहा कि उस समय उनके खिलाफ काफी नकारात्मकता थी। उनके कोर्ट केस, रिश्तों और फिल्मों से जुड़ी चर्चाएं लगातार मीडिया में होती थीं। अभिनेता के मुताबिक, उनकी फिल्मों और अभिनय से ज्यादा ध्यान उनकी निजी जिंदगी और विवादों पर केंद्रित हो गया था। उन्होंने बताया कि इसी दौर में उन्हें 'दस का दम' शो का प्रस्ताव मिला था। लगातार नकारात्मक मीडिया कवरेज के कारण सलमान टेलीविजन पर आने को लेकर हिचकिचा रहे थे। अभिनेता ने बताया कि उन्हें लगता था कि शो करने से पहले उन्हें अपने आसपास के माहौल पर विचार करना चाहिए।



पालतू डॉग ऑरा को लेकर रश्मिका ने शेरार की मजेदार पोस्ट

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज सेवशन में हाल ही में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने चांदर के नीचे गहरी नींद में सो रहे अपने पालतू कुत्ते की एक तस्वीर साझा की। अभिनेत्री ने यह मजेदार पोस्ट तब साझा किया जब वह खुद काम में व्यस्त थीं, जबकि ऑरा आराम से अपना रविवार बिता रहा था। इस तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने अपनी ईर्ष्या व्यक्त करते हुए ऑरा को बेहद भाग्यशाली बताया। रश्मिका ने तस्वीर पर लिखा, फ्रॉरा का हाल कुछ ऐसा है- मम्मी बिल्कुल सोई नहीं हैं और उन्हें काम पर भी जाना है जल्द लेकिन इससे किसी को क्या फर्क पड़ता है? पूरा बिस्तर तो मुझे ही मिल रहा है और मैं बहुत खुश हूँ किस्मत वाला। फ्रॉ अभिनेत्री का शेड्यूल इन दिनों काफी व्यस्त है, उनकी कुछ बड़ी फिल्में आने वाली हैं। वह अगली बार एक्शन-ड्रामा फिल्म 'मेसा' में दिखाई देंगी। इस फिल्म का टीजर हाल ही में जारी किया गया था, जो एक दमदार मनोरंजन का वादा करता है। टीजर में पानी के अंदर के शानदार दृश्य दिखाए गए हैं, जिनमें रश्मिका का पानी की तलहटी में हसिया पकड़े बैठे रहने का दृश्य बेहद प्रभावशाली है। रश्मिका ने इस फिल्म में एक गोंड आदिवासी महिला का किरदार निभाया है, जो एक चुनौतीपूर्ण भूमिका है जिसके लिए गहन शारीरिक तैयारी और मुश्किल एक्शन दृश्यों की आवश्यकता थी। अनफॉर्मूला फिल्मस द्वारा निर्मित 'मेसा' का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुल्ले ने किया है। यह फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है, जिसमें व्यापक एक्शन और तकनीकी रूप से महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण पर जोर दिया गया है। निर्माताओं ने एक बार फिर पुष्टि की है कि 'मेसा' 27 नवंबर, 2026 को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले, रश्मिका को एक कठिन डांस सीखेंस की शूटिंग के दौरान कूल्हे में गंभीर चोट लग गई थी।



छोटे परदे की अभिनेत्री श्रेया चौधरी अब बड़े पर्दे पर एक नई शुरुआत करने जा रही हैं। जल्द ही श्रेया और आयुष्मान फिल्म मुपापा में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, जो 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बंदिश बैंडिट्स के दोनों सीजन में तमन्ना शर्मा के किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली श्रेया चौधरी के मुपापा में किरदार और कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी ज्यादातर डिटेल्स को अभी सीक्रेट रखा है। ऐसे में श्रेया और आयुष्मान की जोड़ी को किस तरह की कहानी में दिखाया जाएगा, इसे लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बनी हुई है। अभिनेत्री को वाईआरएफ टैलेंट ने एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट के लिए साइन किया है। इसे उनके प्रोफेशनल साफर में एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। श्रेया ने अब तक वेब सीरीज और फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी



पहचान बनाई है और अब वह थिएट्रिकल फिल्मों की ओर आगे बढ़ रही हैं। मुपापा का निर्देशन समीर सक्सेना कर रहे हैं। फिल्म में यशराज फिल्मस के सीईओ अक्षय विधानी और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। मुपापा यशराज फिल्मस और पोशम पा पिक्चर्स की पहली थिएट्रिकल साझेदारी है। श्रेया चौधरी की बात करें, तो उन्होंने साल 2017 में फिल्म डियर माया से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। फिल्म में उन्होंने इरा का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन उन्हें पहचान बंदिश बैंडिट्स से मिली। इस सीरीज में उन्होंने तमन्ना शर्मा का रोल निभाया था। तमन्ना एक पॉप स्टार है, जो वलासिकल और मॉडर्न म्यूजिक की दुनिया के बीच अपनी पहचान बनाने की कोशिश करती है। श्रेया के इस किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके अलावा श्रेया शॉर्ट फिल्म द अदर वे में भी नजर आ चुकी हैं।



परिणीति चोपड़ा बनी पत्रकार

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और अभिनेता अमोल पालेकर की आगामी इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में परिणीति एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं, जो अवैध रेत खनन से जुड़े मामले की पड़ताल करते हुए छिपे हुए सच तक पहुंचने की कोशिश करती हैं। फिल्म में देवेन भोजानी उनके कैमरामैन की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। लगभग दो मिनट दो सेकंड लंबे ट्रेलर में कहानी की शुरुआत एक गंभीर घटना की जांच से होती है। रिपोर्टर और कैमरामैन अवैध रेत खनन से जुड़े मामले की तह तक जाने की कोशिश करते हैं। जांच आगे बढ़ने के साथ उन्हें ऐसे प्रभावशाली लोगों का सामना करना पड़ता है, जो इस कारोबार से जुड़े सच को सामने नहीं आने देना चाहते। ट्रेलर में कहानी के दौरान कई तनावपूर्ण घटनाएं दिखाई गई हैं। इसमें पीछा करने, टकराव और हिंसा से जुड़े दृश्य भी शामिल हैं। जैसे-जैसे पत्रकार सच्चाई के करीब पहुंचते हैं, उनके लिए खतरा बढ़ता जाता है। फिल्म का केंद्र पत्रकारिता, जांच और दबे हुए सच को सामने लाने की कोशिश के इर्द-गिर्द रखा गया है। परिणीति चोपड़ा ने अपने किरदार को लेकर कहा है कि यह उनके लिए एक अलग तरह की भूमिका है।

पैपराजी पर भड़की नीतू कपूर

बॉलीवुड की अनुभवी अभिनेत्री नीतू कपूर ने हाल ही में अभिनेत्रियों की पीठ की तस्वीरें लेने के पैपराजी के जुनून पर तंज कसते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की है। उनका यह बयान उस समय आया जब वे शहर में थीं और उन्हें घेरने वाले फोटोग्राफर्स ने उनसे पीठ की तस्वीरें लेने का आग्रह किया। हाल ही में जब नीतू कपूर एक जगह से बाहर निकलकर अपनी कार की ओर बढ़ रही थीं, तो वहां मौजूद पैपराजी ने उनसे उनकी पीठ की तस्वीर लेने के लिए कहा। इस पर अभिनेत्री ने पलटकर कहा, आपको यह बहुत अच्छा लगता है ना, बैक? पैपराजी ने इस बात से इनकार किया, जिसके बाद नीतू अपनी कार में बैठकर चली गईं। नीतू कपूर इंडस्ट्री की पहली ऐसी व्यक्ति नहीं हैं जिन्होंने अभिनेत्रियों की इस तरह से तस्वीरें लेने के पैपराजी के गलत जुनून के बारे में बात की है। इससे पहले, अभिनेत्री नेहा धूपिया ने भी अभिनेत्रियों के ऐसे बैक शॉट्स लेने के लिए पैपराजी की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने इसे अपमानजनक तरीका बताया था और इसे बंद करने की मांग की थी। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने भी नेहा धूपिया की बात का पुरजोर समर्थन किया था।



कॉमेडी शो का पति के साथ लुफ उठाया प्रीति जिंटा ने, वीडियो किया शेयर

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा अपने पति जॉन गुडइनफ के साथ एक कॉमेडी शो देखने पहुंचीं। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर शो की कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह पति जॉन गुडइनफ और स्वयं मैक्स अमिनी के साथ नजर आ रही हैं। यह शो मशहूर ईरानी-अमेरिकी स्टैंड-अप कॉमेडियन मैक्स अमिनी का था, जिसकी कुछ मजेदार झलकियां अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा कीं। उन्होंने मैक्स अमिनी के परफॉर्मेंस का एक वीडियो भी साझा किया। अपनी पोस्ट में, प्रीति जिंटा ने लिखा, सोमवार रात बहुत मजा आया। मैक्स अमिनी का मेरा पहला लाइव कॉमेडी शो था और उन्होंने बहुत ही मजेदार परफॉर्मेंस दी। आप बहुत टैलेंटड हैं मेरे दोस्त और मैं आपके लिए हमेशा और ज्यादा प्यार और तरक्की की दुआ करती हूँ। अभिनेत्री ने मैक्स अमिनी का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, शो में मुझे बुलाने और मेरा नाम लेने के लिए, और सबसे बढ़कर, पूरी रात हमें हंसाने और इतनी बड़ी मुस्कान के साथ घर भेजने के लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। ढेर सारा प्यार। हाल ही में, अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने आठ साल के लंबे अंतराल के बाद पेरियड ड्रामा 'बंदवारा 1947' से बड़े पर्दे पर वापसी की थी। सनी देओल अभिनीत यह एक्शन ड्रामा 14 अगस्त को रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म में सनी देओल की भारी अवाज, उनके दमदार डायलॉग्स और शबाना

आजमी के अभिनय को दर्शकों ने सराहा, वहीं कुछ का मानना था कि फिल्म की कहानी में कुछ कमियां थीं। इसके बाद, प्रीति जिंटा फिल्म 'वाइब' में दिखाई दीं, जिसमें उनके साथ कुणाल खेमु, स्पर्श श्रीवास्तव और पदार्पण करने वाली वंशिका धीर मुख्य भूमिकाओं में थे। कुणाल खेमु के निर्देशन में बनी यह फिल्म दो जिगरी दोस्तों, हार्दिक (कुणाल खेमु) और बरस (स्पर्श श्रीवास्तव) के इर्द-गिर्द घूमती है। हार्दिक हाल ही में एक पुनर्वास केंद्र से बाहर आया है और बरस के दलदल से निकलने की कोशिश कर रहा है। उसका दोस्त बरस एक बड़ी कंपनी में काम करता है और उसकी मदद करता है।

